सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्षः 8 ● अंकः 56 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, बुधवार, 30 मार्च, 2022
मूल्य ₹ 3/-

मनुष्य को दया कभी नहीं छोड़नी चाहिए क्योंकि दया ही धर्म का मूल है और इसके विपरीत अहंकार समस्त पापों की जड़ होता है।

–गोस्वामी तुलसीदासजी

अरविंद केजरीवाल के घर ... 8 | एमएलसी चुनावः भाजपा ने झोंकी... 3 | आगरा में भीषण हादसा, दो... 7

भ्रष्टाचार का दलदल बना लखनऊ नगर निगम

सीवर में उतरने से दो लोगों की मौत पर भी नहीं असर अफसरों पर

» बिना सुरक्षा उपकरणों के सीवर में जबरन उतार दिया कर्मियों को

» दागी कंपनियों को कमीशन के कारण मिलता है काम

» कोरोना काल में लाशों के अंतिम संस्कार को आयी लकड़ी से जला दिये थे राजभवन में अलाव

» नगर आयुक्त पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप मगर नहीं होती कोई कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम में फैले भ्रष्टाचार और कमीशनबाजी ने दो सफाई कर्मियों की जान ले ली जबकि एक अन्य अस्पताल में जिंदगी-मौत से जूझ रहा है। यह दुर्घटना तब घटी जब कल एक निजी कंपनी ने बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के तीन सफाई कर्मियों को मैनहोल में जबरन उतार दिया। इसके पहले भी ऐसी दुर्घटनाएं हुई हैं लेकिन अफसरों पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। वे बस कमीशनबाजी के चक्कर में दागी कपंनियों को काम देकर अपनी जेबें गर्म करते हैं । भ्रष्टाचार का आलम यह है कि अलाव का बजट पास होने के बावजूद कोरोना काल में लाशों के अंतिम संस्कार के लिए आयी लकड़ी को राजभवन में जलाने के लिए भेज दिया गया था। नगर आयुक्त पर भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं विपक्ष ने इस मामले पर सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है।

सीवर सफाई के दौरान दो संविदा कर्मियों की मौत ने नगर निगम के भ्रष्टाचार की पोल खोल दी है। सूत्रों का कहना है कि कमीशन के आधार पर दागी कंपनियों को काम दिया जाता है और ये अपनी मनमानी करती हैं। बिना सुरक्षा उपकरणों के संविदा कर्मियों को सीवर लाइन में उतारा जा रहा है। इसके पहले 2018 में इंदिरानगर क्षेत्र के पिकनिक स्पॉट रोड पर सीवर लाइन की सफाई के दौरान मजदूर जलील की मौत हो गयी थी जबकि 2019 में चिनहट में सीवर चेंबर की सफाई के लिए उतरे दो युवकों की मौत हुई थी लेकिन निगम के अफसरों पर असर नहीं पड़ा और कमीशन के चलते कंपनियों को मनमानी की छूट दे दी गई। वहीं इस मामले में कंपनी और सुपरवाइजर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गयी है।

क्या है मामला

सआदतगंज के अंबरगंज इलाके में गुलाब नगर माबिया मस्जिद के पास सीवर चैंबर की सफाई के लिए कल शासन से नियुक्त कंपनी शुएज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की टीम पहुंची थी। इसमें संविदा कर्मी पूरन, कैलाश व करन बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के सीवर लाइन में उतरे थे। वे जहरीली गैस की चपेट में आ गए। कैलाश को किसी तरह निकाला गया जबकि पूरन और करन सीवर लाइन के भीतर ही गिरकर बेहोश हो गए। एक घंटे बाद दोनों को निकालकर ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया जहां करन और पूरन को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया गया।

क्या कहते हैं नियम

मैनुअल स्कैवेंजिंग एक्ट 2013 के तहत सीवर में सफाई के लिए किसी भी व्यक्ति को उतारना पूरी तरह गैर-कानूनी है। एक्ट में इस पर रोक का प्रावधान है। किसी खास स्थिति में अगर व्यक्ति को सीवर में उतारना ही पड़ जाए तो उसके लिए कई तरह के नियमों का पालन जरूरी है। मसलन, जो व्यक्ति सीवर की सफाई के लिए उतर रहा है, उसे ऑक्सीजन सिलेंडर, स्पेशल सूट, मास्क, सेफ्टी उपकरण इत्यादि देना जरूरी है लेकिन इन नियमों को पालन नगर निगम व कंपनियां नहीं करती हैं।

पीड़ित परिवार से मिलीं मेयर

मेयर संयुक्ता भाटिया ने पीड़ित परिवारों को 20-20 लाख रुपये मुआवजा व आउटसोर्सिंग कंपनी में परिवार के एक-एक सदस्य को नौकरी दिलाने की घोषणा की।

सरकार ने तलब की रिपोर्ट

नगर विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव रजनीश दुबे ने डीएम रायबरेली व लखनऊ के नगर आयुक्त से घटना की रिपोर्ट मांगी है। सफाई के दौरान निकली जहरीली गैसों की वजह से रायबरेली और लखनऊ में दो-दो मजदूरों की मौत हो गई है।

सुप्रीम कोर्ट भी सरकार को लगा चुका है फटकार

सुप्रीम कोर्ट भी केंद्र सरकार को फटकार लगा चुका है। अदालत ने तब कहा था कि कोई भी देश अपने लोगों को मरने के लिए गैस चैंबर में नहीं भेजता। आजादी के इतने साल बाद भी मैनुअल स्कैवेंजिंग जारी है। यह दिखाता है कि देश में भेदभाव बना हुआ है। सभी बराबर हैं लेकिन सरकारें बराबर सुविधाएं नहीं दे रही हैं।

रायबरेली में भी हादसा दो की जान गई

रायबरेली में भी बिना सुरक्षा उपकरण सीवर टैंक के मेन होल की सफाई करने उतरे संजू नागर व जोगेशर की दम घुटने से मौत हो गई। ये मजदूर तोमर कंस्ट्रक्शन कंपनी में ठेके पर काम करते थे। यह कंपनी अमृत योजना के तहत शहर में सीवर पाइपलाइन डलवा रही है। मामले में कंपनी के प्रोपराइटर नरेंद्र तोमर और ठेकेदार शेर सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। डीएम ने जांच के आदेश दिए हैं।

सैकड़ों कर्मचारियों की हो चुकी है मौत

बीते कुछ सालों में मैनुअल स्कैवेंजिंग यानी हाथ से नालों की सफाई करते हुए सैकड़ों लोगों ने जान गंवाई है। 2020 में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय की संस्था राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग ने डराने वाले आंकड़े बताए थे। उसमें कहा गया था कि 2010 से मार्च 2020 तक सीवर सफाई के दौरान 631 लोगों की मौत हुई। 2019 में सीवर की सफाई के दौरान 110 लोगों ने जान गंवाई। इसी तरह 2018 में 68 और 2017 में 193 मौतें हुईं।

“ घटना बेहद दुखद है। लोगों की जान से खिलवाड़ करने की दोषी कंपनी और अधिकारियों के खिलाफ सरकार को कार्रवाई करनी चाहिए ताकि आगे से इस प्रकार की घटनाओं पर लगाम लगे।

अब्दुल हफीज गांधी, प्रवक्ता, सपा

“ यह घटना भाजपा सरकार में नगर निगम में व्याप्त भ्रष्टाचार को उजागर करती है। नगर निगम को जनहानि नहीं बल्कि कंपनियों की कमाई की चिंता है। सरकार को दोषी कंपनी के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

सुरेंद्र राजपूत, प्रवक्ता, कांग्रेस

“ बिना सुरक्षा उपकरणों के सीवर की सफाई कराना मानव अधिकारों के खिलाफ है। भ्रष्टाचार में लिप्त नगर निगम और कंपनियों को लोगों की जान की परवाह नहीं है। अफसरों को कमीशन और कंपनियों को मुनाफे की चिंता है। दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो।

अनुपम मिश्रा, राष्ट्रीय संयोजक टीम आरएलडी

यूपी बोर्डः अंग्रेजी का पेपर लीक, 24 जिलों में परीक्षा रद्द

▸ बाकी जनपदों में समय से होगी परीक्षा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी बोर्ड की 12वीं का अंग्रेजी का पेपर लीक होने से 24 जिलों में परीक्षा रद्द करने का निर्णय लिया गया है। यह परीक्षा आज दोपहर दो बजे आयोजित होने वाली थी। परीक्षा रद्द होने के बाद अगली तारीख का ऐलान अभी नहीं हुआ है। वहीं बलिया के जिला विद्यालय निरीक्षक ब्रजेश कुमार मिश्रा को निलंबित किया गया। विभाग की मंत्री गुलाब देवी के निर्देश पर पेपर लीक प्रकरण में डीआईओएस को निलंबित किया गया है। शेष जिलों में समय से परीक्षा होगी।

जिन जिलों में परीक्षा रद्द की गई है, उनमें बलिया, एटा, बागपत, बदायूं, सीतापुर, कानपुर देहात, ललितपुर, चित्रकूट, प्रतापगढ़, गोंडा, आजमगढ़, आगरा, वाराणसी, मैनपुरी, मथुरा, अलीगढ़, गाजियाबाद, शामली, शाहजहांपुर, उन्नाव, जालौन, महोबा, आंबेडकरनगर और गोरखपुर शामिल हैं।

अब बसपा नेता के अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, हड़कंप

» नोटिस जारी करने के बाद की गयी कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार का दूसरी बार गठन होने के बाद एक बार फिर अवैध कब्जे पर ताबड़तोड़ कार्रवाई शुरू हो गई है। आज एलडीए (लखनऊ विकास प्राधिकरण) ने बसपा नेता फहाद व सपा के विधायक शाहिद मसूद हसन के भतीजे के अवैध निर्माण को बुलडोजर से ढहा दिया गया।

हजरतगंज के बालू अड्डा में एलडीए की टीम ने बसपा नेता फहाद व याजदान बिल्डर की 50 करोड़ की अवैध इमारत को ढहाने की कार्रवाई शुरू कर दी। कार्रवाई से हंगामा मच गया। मामले में कई बार नोटिस जारी किया जा चुका है पर कोई जवाब नहीं मिला। जिसके बाद कार्रवाई शुरू की गई है।

डिप्टी सीएम पाठक से शिकायत की तो पीड़ित को तत्काल मिली मदद

» ढाई घंटे में एक्शन, निजी अस्पताल ने लौटाया पूरा पैसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के मामला संज्ञान में लेते ही फैजुल्लागंज निवासी प्यारी देवी को बड़ी राहत मिली है। सीतापुर रोड पर स्थित एक निजी अस्पताल ने पथरी के ऑपरेशन के नाम पर 20 हजार रुपए जमा करा लिया और ऑपरेशन भी नहीं किया। इसके बाद जब पीड़ित ने अपना पैसा मांगा तो अस्पताल के कर्मी धमकी देने लगे। डिप्टी सीएम एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक के मामला संज्ञान में लेने के बाद ढाई घंटे में एक्शन में हो गया।

अस्पताल प्रशासन ने मरीज के परिवारीजन से माफी मांग कर 20,000 रुपया वापस कर दिया। मड़ियांव स्थित निजी अस्पताल में इलाज के नाम पर अधिक रुपये वसूलने का मामला सामने आया है। मंगलवार को मरीज के परिवारजनों ने सामाजिक कार्यकर्ता से इसकी शिकायत की। इस पर कार्यकर्ता ने ट्वीट के माध्यम से उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री से मामले की शिकायत की। फटकार के बाद अस्पताल प्रशासन ने पीड़ित को 20 हजार रुपये वापस कर दिए। पिछले दो माह से गोंडा निवासी राम प्यारी पेट में दर्द की समस्या से जूझ रही है। स्थानीय अस्पताल में इलाज कराने के बाद भी कोई

फायदा नहीं हुआ। परिवारजन 24 मार्च को मरीज को लेकर केजीएमयू ट्रामा सेंटर पहुंचे। यहां बेड खाली न होने की वजह से उन्हें भर्ती नहीं किया गया। दलालों के चंगुल में आने के बाद मरीज को मड़ियांव स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां जांच के बाद डाक्टर ने गुर्दे में पथरी होने की बात बताई। आपरेशन में करीब 35 हजार रुपये खर्चा बताया। मरीज के भाई दिलीप ने बताया कि डाक्टर ने 35 हजार रुपये जमा करा लिए। उसके बाद डाक्टर ने जांच के बाद गुर्दे की नली में रुकावट की बात कही, जिसके आपरेशन के लिए 45 हजार रुपये और मांगे गए। रुपये के अभाव में परिजनों ने पैसे देने से मना कर दिया। बिना भुगतान करने पर डाक्टर ने इलाज करने से रोक दिया। बिल के भुगतान के लिए दबाव भी बनाया गया।

स्वास्थ्य मंत्री से की थी शिकायत

मरीज के घर वालों ने फैजुल्लागंज में सामाजिक कार्यकर्ता ममता त्रिपाठी को मामले की जानकारी दी। उन्होंने ट्वीट के माध्यम से पूरे मामले की जानकारी उप मुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक को दी। ममता त्रिपाठी के मुताबिक ट्वीट के बाद स्वास्थ्य विभाग ने मामले का संज्ञान लिया। जहां अस्पताल प्रशासन ने मरीज को करीब 20 हजार रुपए वापस देने के बाद मरीज को डिस्चार्ज कर दिया।

स्वतंत्र देव सिंह को नेशनल वॉटर अवार्ड

» उत्तर प्रदेश को मिला तीसरा राष्ट्रीय जल पुरस्कार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के जल शक्ति मंत्रालय को तीसरा राष्ट्रीय जल पुरस्कार मिला है। यह अवार्ड प्रदेश को जल संवर्धन व जल संरक्षण के क्षेत्र में किए गए बेहतर काम के लिए प्रदान किया गया है। राज्यों में यूपी पहले पर, राजस्थान दूसरे स्थान पर और तीसरे नंबर पर तमिलनाडु रहा। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मंगलवार को दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को यह नेशनल वॉटर अवार्ड दिया। इस मौके पर प्रमुख सचिव अनिल गर्ग व विभागाध्यक्ष वीके निरंजन भी मौजूद थे। यह अवार्ड राज्य के अलावा जिला व ग्राम पंचायत स्तर समेत विभिन्न श्रेणियों में दिया जाता है। उत्तर प्रदेश की ओर से वर्ष 2021 में इसके लिए आवेदन किया गया था।

मुख्तार अंसारी के बेटे विधायक अब्बास की गिरफ्तारी पर रोक

» मामले में उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब तलब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मऊ की नगर कोतवाली में दर्ज मुकदमे में बाहुबली मुख्तार अंसारी के बेटे विधायक अब्बास अंसारी की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। साथ ही मामले में उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब तलब किया है। विधायक के खिलाफ यह मुकदमा विधानसभा चुनाव के दौरान आपत्तिजनक बयान देने के आरोप में दर्ज किया गया था। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल तथा न्यायमूर्ति वी के श्रीवास्तव की खंडपीठ ने अब्बास अंसारी की याचिका पर दिया है।

याची का तर्क था कि उस पर आरोप है कि तीन मार्च की चुनावी सभा में उसने सत्ता में आने पर अधिकारियों को सबक सिखाने की धमकी दी थी, जिसकी एफआईआर चार मार्च को दर्ज कराई गई थी। याची की ओर से कहा गया कि आरोपों पर सात साल से अधिक सजा नहीं दी जा सकती और 153 ए संज्ञेय अपराध की धारा जानबूझकर जोड़ी गई है। कहा गया कि निर्वाचन आयोग के निर्देश पर एफआईआर दर्ज कराई गई है, लेकिन यह सही नहीं है। इस धारा में पुलिस याची को गिरफ्तार करने की कोशिश कर रही है, जबकि वह मऊ से विधायक हैं। उन्हें शपथ लेने नहीं दी जा रही है।

शिवपाल नाराज नहीं है, गठबंधन में सब बेहतर : राजभर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी गठबंधन में एक बार फिर झगड़े के आसार बढ़ गए हैं। सपा विधानमंडल दल की बैठक में नहीं बुलाए जाने से नाराज शिवपाल यादव अखिलेश के बुलावे पर नहीं पहुंचे। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (प्रसपा) प्रमुख के अगले कदम को लेकर चल रही अटकलों के बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) चीफ ने कहा कि वह शिवपाल से बात करेंगे। ओपी राजभर ने पहले तो इस बात से इनकार किया कि शिवपाल नाराज हैं। लेकिन यह जरूर कहा कि परिवार में कुछ न कुछ होता रहता है। नाराजगी नहीं है। वह नाराजगी हम नहीं मानते।

विकास के लिए विदेश भ्रमण नहीं, सही सोच व विजन जरूरी : मायावती

» बसपा प्रमुख ने सपा प्रमुख के विदेश दौरों पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो एवं उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती अखिलेश यादव पर हमलावर हैं। आज फिर मायावती ने सपा प्रमुख पर ट्वीट कर हमला बोला। उन्होंने पूर्व सीएम अखिलेश पर नवनिर्वाचित विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना की आड़ में अपने विदेशी दौरों को उचित ठहराने का आरोप लगाया है।

मायावती ने ट्वीट करते हुए लिखा कि नवनिर्वाचित यूपी विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के अनेकों बार विदेश भ्रमण की आड़ में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव का अपने विदेश दौरों को विकास के बहाने उचित ठहराने का प्रयास उनकी उस कमियों पर पर्दा डालने की कोशिश है जिसका शिकार भाजपा

उनको अक्सर बनाती रही है, जो क्या सही? समग्र विकास के लिए सही सोच व विजन जरूरी जो बिना विदेशी दौरे के भी संभव। ऐसा बीएसपी सरकार ने ताज एक्सप्रेसवे, गंगा एक्सप्रेसवे आदि के जरिए साबित करके दिखाया है। जिस प्रकार दंगा, हिंसा व अपराध-मुक्ति के लिए आयरन विलपावर जरूरी, उसी तरह विकास हेतु भी संकीर्ण नहीं, सही सोच जरूरी। इससे पहले भी मायावती ने सपा पर भाजपा के साथ मिल कर काम करने का आरोप लगाया था।

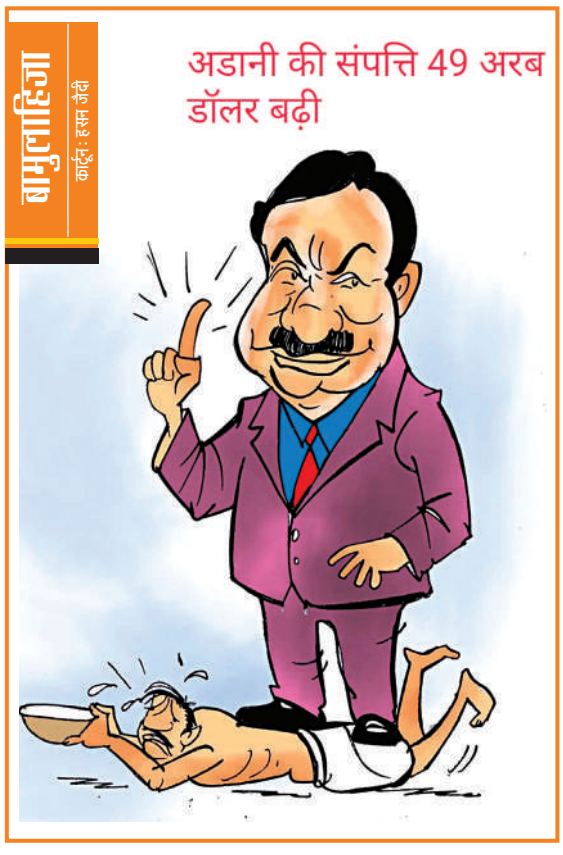

किसानों की आवाज दबाने का प्रयास कर रही पुलिस : टिकैत

» तोड़फोड़ और मारपीट मामले में गलत तरीके से कार्रवाई का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुजफ्फरनगर में सोमवार देर रात जिला अस्पताल में हंगामा, तोड़फोड़ और मारपीट मामले में किसान नेता राकेश टिकैत का कहना है कि पुलिस ने गलत तरीके से कार्रवाई की है। टिकैत ने कहा कि पुलिस किसानों की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है। पुलिस प्रशासन यूनियन के साथ उलझना चाह रहा है। यूनियन के कार्यकर्ता शांतिपूर्वक अपना काम कर रहे हैं। मामले में पीड़ित का साथ देने खड़े होने पर यूनियन के पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं को मुजरिम बनाने पर पुलिस तुली है। ऐसा रवैया हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। बता दें कि रात में शहर के प्रकाश चौक स्थित एक होटल में तितावी के दो लोगों और होटल मालिक के बेटों के बीच मारपीट हुई।

पुलिस दोनों पक्षों को मेडिकल के लिए जिला अस्पताल ले गई तो दोनों पक्षों ने वहां भी मारपीट की। पुलिस ने मामले में भाकियू कार्यकर्ताओं सहित 10 लोगों को जेल भेजा है।

इनमें सात आरोपी शहर कोतवाली पुलिस और तीन आरोपियों की गिरफ्तारी थाना सिविल लाइन पुलिस ने की है। शाम को प्रशासन से वार्ता के बाद राकेश टिकैत ने धरना खत्म कर दिया। इस मामले में प्रशासन से बातचीत के लिए एक कमेटी बनाई गई है। कमेटी पूरे मामले की जांच करेगी। मामले में जिलाध्यक्ष योगेश शर्मा ने बताया कि यूनियन के ब्लॉक बघरा अध्यक्ष अमरजीत सिंह के परिचित रात में अस्पताल पहुंचे थे, इमरजेंसी में उपचार नहीं मिलने पर अमरजीत को बुला लिया गया। अमरजीत ने मौके पर आकर पीड़ितों के लिए सिफारिश की, इतने कसूर पर उसको मुजरिम बनाया गया है। पुलिस ने पूरी रात यूनियन के कार्यकर्ताओं को लॉकअप में रखा और मुकदमा दर्ज कर जेल भेजने की तैयारी शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन का यह रवैया गलत है। शहर कोतवाली आनंद देव मिश्रा का कहना है कि कुछ लोगों को रात में ही हिरासत में लिया गया है। इसके लिए जिला अस्पताल के कर्मचारियों की ओर से पुलिस को शिकायत मिली है, जिस पर कार्रवाई की जा रही है।

एमएलसी चुनाव : भाजपा ने झोंकी ताकत एक-एक मतदाता से संवाद की रणनीति

» लगातार दूसरी बार सत्ता में आने से भाजपा उत्साहित

» प्रभारी के साथ चार सदस्यों की लगायी गयी टीम

» मतदाताओं से संपर्क करने का अभियान शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद अब भाजपा नेतृत्व ने विधान परिषद के चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी एक-एक मतदाताओं को साधने की रणनीति पर काम कर रही है। बैठकों का दौर जारी है। भाजपा अधिकांश सीटों को जीतने की तैयारी में जुटी हुई है।

प्रदेश में योगी सरकार के शपथ लेने के बाद भाजपा ने अब विधान परिषद के स्थानीय निकाय एमएलसी चुनाव में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। एक-एक मतदाता को साधने के लिए वन प्लस फोर यानी प्रभारी के साथ चार सदस्यों की टीम 24 घंटे काम कर रही है। ब्लाक स्तर पर सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। प्रत्याशी भी गांव-गांव घूमकर मतदाताओं के साथ बैठक कर रहे हैं और उनसे सीधे संवाद स्थापित कर रहे हैं। चुनाव के लिए पार्टी की ओर से तीन स्तरीय टीम बनाई गई है। पहली टीम ब्लाक स्तर की है, जिसमें ब्लाक प्रमुख के अलावा जिला पंचायत सदस्य और बीडीसी सदस्य शामिल हैं। दूसरी टीम जिले स्तर पर बनाई गई है, जिसका प्रभारी क्षेत्रीय स्तर के पदाधिकारी को बनाया गया है। तीसरी टीम निर्वाचन क्षेत्र के अनुसार बनाई गई है। जिला और निर्वाचन क्षेत्र की टीम का प्रभारी क्षेत्रीय पदाधिकारियों को बनाया गया है। इन प्रमुखों ने सामाजिक समीकरण साधते हुए अपनी टीम तैयार की है। इसके अलावा जिला और महानगर व नगर टीम भी अपने-अपने क्षेत्र के मतदाताओं को सहेजने में जुटी हुई है।

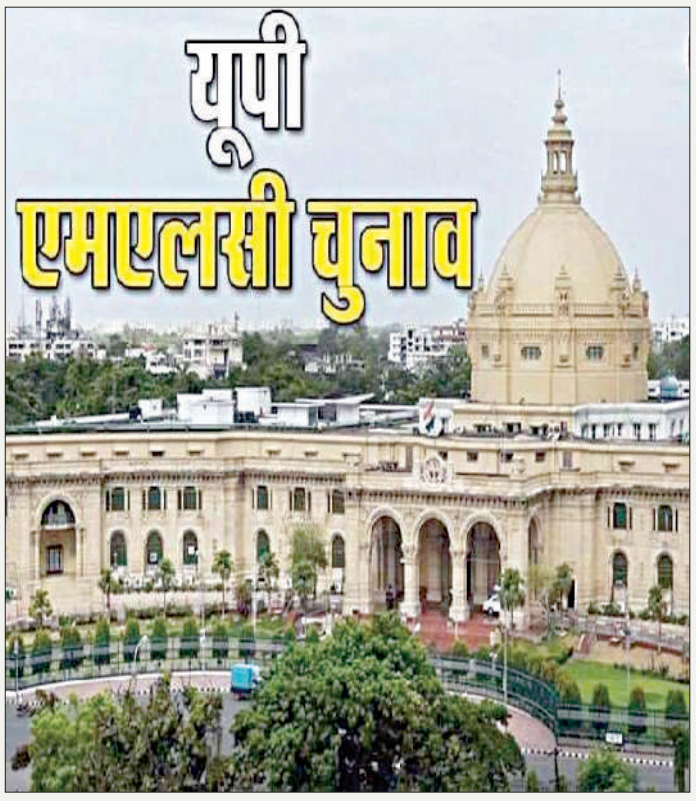

ब्लाक स्तर पर आयोजित हो रहे सम्मेलन

टीम ब्लाक, जिला और निर्वाचन क्षेत्र स्तर पर बनी टीम की मदद भी कर रही है। इसकी जिम्मेदारी क्षेत्रीय अध्यक्ष अपनी टीम के साथ संभाल रहे हैं। दो अप्रैल से सात अप्रैल तक सघन जनसंपर्क अभियान चलाने की तैयारी है। भाजपा के गोरखपुर संगठनात्मक क्षेत्र के जिन पांच सीटों के लिए चुनाव होने हैं, उनमें उनमें गोरखपुर-महराजगंज, बस्ती-सिद्धार्थनगर-संतकबीर नगर, देवरिया-कुशीनगर, आजमगढ़-मऊ और बलिया सीट शामिल हैं। इस चुनाव में नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत, जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत और ग्राम पंचायत के सदस्य मतदान करते हैं।

सघन अभियान जारी

गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि विधान सभा परिषद सदस्य के लिए होने वाले स्थानीय निकाय चुनाव को लेकर भाजपा की पूरी टीम लग गई है। ब्लाक और ग्राम स्तर पर बैठक और सम्मेलन कर मतदाताओं को सहेजा जा रहा है। मतदान से पहले एक सप्ताह तक सघन जनसंपर्क अभियान चलाया जाएगा। पूरा विश्वास है कि भाजपा की जीत का सिलसिला जारी रहेगा और गोरखपुर क्षेत्र की सभी पांच सीटों पर भाजपा प्रत्याशियों को जीत मिलेगी।

अयोध्या में नवरात्र से शुरू होगी सीता रसोई

» मिलेगा रामलला का भोग लगा प्रसाद

» विश्व हिंदू परिषद कार्यालय से संचालित किए जाने की तैयारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। चैत्र नवरात्र में रामनगरी अयोध्या में राम भक्तों को सीता रसोई का प्रसाद मिलेगा। सीता रसोई से श्रद्धालुओं को रामलला का भोग लगा प्रसाद वितरित करने की तैयारियां अंतिम दौर में हैं। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट भगवान श्री रामलला का दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को निशुल्क भोजन की व्यवस्था बना रहा है। इनकी व्यवस्था राम नवमी से शुरू होगी। रामनवमी के नौ दिवसीय उत्सव में रामनगरी में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट भक्तों को निशुल्क भोजन कराएगी।

अयोध्या में भव्य मंदिर निर्माण का कार्य प्रारंभ होने के साथ ही श्रद्धालुओं की संख्या भी दिन प्रतिदिन कई गुणा बढ़ता जा रहा है। इसके कारण श्रीराम लला का दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को रुकने के लिए ही नहीं, बल्कि भोजन के लिए भी बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है उसको देखते हुए राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने अस्थाई रूप से सीता रसोई शुरू करने की योजना बनाई है। यह योजना अभी सिर्फ रामनवमी मेले के नौ दिवसीय उत्सव तक ही सीमित रहेगी। इसके लिए ट्रस्ट ने परिसर के निकट आनंद भवन से सटे विश्व हिंदू परिषद कार्यालय से संचालित किए जाने की तैयारी जा रही है। इस बार होने वाले राम नवमी उत्सव के लिए सीता रसोई खोलने की तैयारी है। जहां पर श्री रामलला का दर्शन करने वाले श्रद्धालुओं को निशुल्क भोजन प्रसाद स्वरूप दिया जाएगा।

भगवान के जन्मोत्सव को भव्यता के साथ मनाने की तैयारी

श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्रा के मुताबिक भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव को बड़े ही भव्यता से मनाने की तैयारी की जा रही है। रामलला की कला को भव्य रूप देकर सजाया जाएगा। भजन कीर्तन के साथ भव्य आरती में भी श्रद्धालु शामिल हो सके, इसका भी इंतजाम किया जा रहा है। रामनवमी उत्सव में आने वाले श्रद्धालुओं को ट्रस्ट निशुल्क भोजन कराएगा। रामनगरी अयोध्या में रामलला का दर्शन करने पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को अब निशुल्क भोजन भी दिया जाएगा। नवरात्र से सीता रसोई से श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट भक्तों को रोटी, सब्जी, दाल-चावल के साथ ही मिष्ठान प्रदान करने की तैयारी में है। इसका संचालन रामकोट में ट्रस्ट कार्यालय के समीप से ही होगा, जिससे श्रद्धालु आसानी से पहुंच कर भोजन कर सकें। रामनगरी में देश के कोने-कोने से रामभक्त पहुंच रहे हैं। जत्थों में भक्त यहां आकर रामलला का दर्शन पूजन करते हैं। श्रद्धालुओं की लगातार बढ़ रही संख्या को देखते हुए ट्रस्ट ने निशुल्क भोजन वितरित करने की योजना बनाई है। इससे पहले ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद का वितरण शुरू किया था। रामलला का दर्शन करने वालों को इलायची दाना का पैकेट दिया जाता है। ट्रस्ट से जुड़े जिम्मेदार ने बताया कि नवरात्र से भोजन प्रसाद का वितरण शुरू हो जाएगा।

प्रारंभ होगा सीता रसोई की स्मृति सहेजने का काम

अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर के भव्य निर्माण के साथ परिसर की प्राचीन स्मृति को भी सहेजने की तैयारी शुरू है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने भगवान श्रीराम के मंदिर निर्माण के साथ सीता रसोई स्मृति को भी सहेजने का कार्य प्रारंभ कर दिया है। सीता की रसोई वास्तव में एक शाही रसोई घर नहीं बल्कि एक मंदिर है। यह मंदिर श्रीराम जन्मभूमि के उत्तर-पश्चिमी भाग में स्थित है। मंदिर में भगवान श्रीराम, लक्ष्मण, भरत और शत्रुघ्न व उन सभी की पत्नियों सीता, उर्मिला,मांडवी और सुक्रीर्ति की मूर्ति लगी हुई हैं। यहां पर बनी रसोई में प्रतीकात्मक रसोई के बर्तन रखे हैं। जिनमें चकला और बेलन रखे है। उस दौरान यह रिवाज हुआ करता था कि नववधू, पूरे परिवार के लिए शगुन के तौर पर खाना पकाती थी। विद्वानों को मानना है कि माता सीता ने अपने परिवार के लिए खाना बनाया था लेकिन पूरी मानव जाति के लिए यह स्थल माता अन्नपूर्णा के समान है। इस रसोई के बारे में एक और रोचक तथ्य यह है कि बाबरी मस्जिद के मुख्य मेहराब पर लिखा हुआ है कि जन्मस्थान सीता की रसोई, जो सीता की रसोई का अस्तित्व बताता है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

छात्र क्यों छोड़ रहे परीक्षा?

यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं शुरू हो चुकी हैं। सरकार ने नकलविहीन परीक्षा कराने के पूरे इंतजाम किए हैं। तमाम नकलची छात्रों को पकड़ा भी गया। इन सबके बीच भारी संख्या में छात्र परीक्षा भी छोड़ रहे हैं। अब तक करीब पांच लाख छात्रों ने परीक्षा छोड़ दी है। हैरानी की बात यह है कि परीक्षा के पहले दिन ही चार लाख 18 हजार छात्र परीक्षा देने केंद्र पर नहीं पहुंचे। सवाल यह है कि भारी संख्या में छात्र परीक्षा क्यों छोड़ रहे हैं? क्या नकल के खिलाफ कड़ाई के कारण परीक्षार्थी ऐसा कर रहे हैं? क्या इसके लिए लचर शिक्षा व्यवस्था जिम्मेदार नहीं है? क्या बेहतर शिक्षा न मिलने के कारण छात्र परीक्षा देने की हिम्मत नहीं कर पा रहे हैं? क्या यह स्थिति शिक्षण प्रणाली पर सवालिया निशान नहीं लगा रही है? क्या सरकार ने छात्रों द्वारा परीक्षा छोड़ने के कारणों को जानने और उसके समाधान की कोशिश की है?

24 मार्च को यूपी बोर्ड की 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं शुरू हुईं। इस साल दोनों कक्षाओं के लिए पंजीकृत छात्रों की संख्या 51.9 लाख है। राज्य भर में परीक्षाओं के लिए कुल 8,873 केंद्र स्थापित किए गए। इनमें से 6,398 केंद्र ग्रामीण और 1,975 शहरी क्षेत्रों में स्थित हैं। केंद्रों पर नकलविहीन परीक्षा कराने के लिए सीसीटीवी कैमरे और वायस रिकॉर्डर लगाए गए हैं, उड़न दस्तों को तैनात किया गया है। वहीं भारी संख्या में छात्र परीक्षा छोड़ रहे हैं। सरकार का मानना है कि नकल के खिलाफ जारी सख्ती के कारण छात्र परीक्षा छोड़ रहे हैं। इसमें दो राय नहीं कि नकल के भरोसे बैठने वाले छात्र ऐसा कर रहे हैं लेकिन इतनी बड़ी संख्या में छात्रों का परीक्षा छोड़ना सरकारी शिक्षा व्यवस्था की पोल खोलता है। हकीकत यह है कि सरकारी शिक्षा की गुणवत्ता लगातार खराब होती जा रही है। छात्रों को ठीक से पढ़ाया नहीं जा रहा है। शिक्षक, शिक्षा के प्रति छात्रों को प्रेरित करने में नाकाम हैं। पढ़ाई के नीरस तौर-तरीकों ने हालात को खराब कर दिया है। तमाम स्कूलों में पाठ्यक्रम तक पूरा नहीं हो सका है। निजी स्कूलों के सापेक्ष सरकारी स्कूलों में शिक्षक परीक्षा के मद्देनजर छात्रों को तैयारी कराने में कोई रूचि नहीं लेते हैं। इसके कारण तमाम छात्रों पर परीक्षा का अनावश्यक दबाव पड़ता है और वे उसका सामना नहीं कर पाते हैं। परिणाम वे परीक्षा छोड़ देते हैं। साफ है कि सरकार केवल नकलविहीन परीक्षा आयोजित कराना अपनी उपलब्धि न माने बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने पर जोर दे। स्कूल-कॉलेजों में शिक्षण और प्रशिक्षण की पद्धति में बदलाव करे ताकि छात्र पूरी तैयारी कर सकें और उनके अंदर परीक्षा का भय न रहे और वे अपना भविष्य बेहतर बना सके।

सरकारी शिक्षा की गुणवत्ता लगातार खराब होती जा रही है। छात्रों को ठीक से पढ़ाया नहीं जा रहा है। शिक्षक, शिक्षा के प्रति छात्रों को प्रेरित करने में नाकाम हैं। पढ़ाई के नीरस तौर-तरीकों ने हालात को खराब कर दिया है। तमाम स्कूलों में पाठ्यक्रम तक पूरा नहीं हो सका है। निजी स्कूलों के सापेक्ष सरकारी स्कूलों में शिक्षक परीक्षा के मद्देनजर छात्रों को तैयारी कराने में कोई रूचि नहीं लेते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पेट्रो डॉलर की कमजोरी के मायने

अजीत रानाडे

इस वर्ष भारत का निर्यात प्रदर्शन बहुत दमदार होगा। निर्मित वस्तुओं का निर्यात 400 अरब डॉलर से अधिक होगा, जो अब तक का अधिकतम है। यह बीते साल से 40 फीसदी से ज्यादा है और सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) की वृद्धि दर से पांच गुना अधिक है। यह वाणिज्य मंत्रालय द्वारा पूरा ध्यान देने से संभव हो सका है, जिसने उत्पाद और देश के स्तर पर लक्ष्य निर्धारित किया था और उस पर निगरानी रखी गयी। सबसे बड़े निर्यातित पदार्थ पेट्रोलियम, कीमती पत्थर, आभूषण, इंजीनियरिंग वस्तुएं और रसायन रहे। उल्लेखनीय है कि 100 डॉलर शोधित पेट्रोलियम निर्यात करने के लिए हमें 90 डॉलर का कच्चा तेल आयात करना पड़ता है इसलिए जहां हमारा निर्यात बढ़ा है, वहीं आयात में भी वृद्धि हुई है।

कच्चे तेल और मोबाइल फोन जैसी चीजों का आयात करीब 600 अरब डॉलर है। सोने का आयात भी एक हजार टन पार कर गया, जिसका मतलब है कि 70 अरब डॉलर विदेशी मुद्रा बाहर चली गयी। इस वित्त वर्ष में कुल व्यापार घाटा संभवत: 200 अरब डॉलर हो जायेगा। निर्यात की तुलना में आयात अधिक होने से डॉलर की कमी होती है। यह संतोषजनक है कि भारत सेवाओं, विशेषकर सॉफ्टवेयर, आईटी से जुड़ी सेवाओं, के निर्यात से भी डॉलर हासिल करता है। भारत दूसरे देशों में कार्यरत नागरिकों के भेजे धन को पानेवाला दुनिया का सबसे बड़ा देश है। यह आंकड़ा करीब 80 अरब डॉलर है, जो सोने के आयात से बाहर जानेवाले धन के बराबर है। इस प्रकार, हमारा घाटा कम हो जाता है। फिर भी डॉलर की कमी है। इसकी भरपाई निवेशकों की पूंजी से होती है, जो स्टॉक मार्केट, निजी हिस्सेदारी और कर्ज में पैसा लगाते हैं। डॉलर का अंतरराष्ट्रीय प्रवाह और भुगतान संतुलन शांति की स्थिति में ठीक रहते हैं लेकिन यूक्रेन युद्ध ने इसमें अस्थिरता पैदा कर दी। अमेरिका के नेतृत्व में विभिन्न देशों द्वारा रूस पर लगायी गयीं पाबंदियों का मतलब यह है कि रूसी निर्यात का भुगतान डॉलर में नहीं किया जा सकता है। ऐसा इसलिए है कि भुगतान के लिए न्यूयॉर्क की मंजूरी चाहिए और अमेरिका रूसी निर्यातकों के ऐसे किसी दावे को मानने के लिए तैयार नहीं है। तेल और गैस उसके बड़े निर्यात हैं जो देश इनका रूस से आयात करते हैं, वे तुरंत किसी और स्रोत से इनकी खरीद शुरू नहीं कर सकते। इनमें प्रमुख आयातक जर्मनी है और खरीदारों में भारत भी है इसलिए रूस इन पदार्थों पर बड़ी छूट दे रहा है।

भारत अपनी जरूरत का एक फीसदी से भी कम तेल रूस से खरीदता है लेकिन अगर उसे आधे दाम पर तेल मिलेगा, वह भी तब, जब कच्चे तेल की कीमत सौ डॉलर प्रति बैरल से ऊपर है तथा इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को खतरा हो गया है तो उसे यह अवसर क्यों छोड़ना चाहिए? वास्तव में, यह भारत के हित में है तथा इससे मुद्रास्फीति पर लगाम लगाने और वित्तीय घाटे को नियंत्रित रखने में मदद मिलेगी लेकिन भारत रूस को डॉलर में भुगतान नहीं कर सकता है, भले ही उसके पास इसका बड़ा भंडार है क्योंकि ऐसे भुगतान को भी न्यूयॉर्क से मंजूरी लेनी होगी और अमेरिकी इसमें अड़ंगा जरूर लगायेंगे। ऐसी स्थिति में भारत-रूस को रुपये-रूबल व्यापार के लिए कोई समझौता करना होगा, जिसके तहत भारत तेल के आयात के लिए रुपये में भुगतान करेगा और उस रुपये से रूस भारत से वस्तुओं की खरीदारी करेगा। यह व्यवस्था बहुत अच्छी तरह काम कर सकती है, अगर रूस के साथ हमारा आयात और निर्यात संतुलित हो। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं है और बड़ा असंतुलन है। ऐसी स्थिति में हमें रूस को निर्यात करने के लिए अधिक वस्तुओं को खोजना होगा। जब ईरान प्रतिबंधों के तहत था तब हमने उसके साथ इसी तरह से कारोबार किया है। राष्ट्रपति निक्सन के कार्यकाल में सऊदी अरब ने अमेरिका से एक समझौता किया था कि वे अपने तेल निर्यात का भुगतान केवल डॉलर में ही लेंगे। डॉलर के वैश्विक वर्चस्व का यही आधार है। अब डॉलर के इस स्थापत्य में, जिसे हम पेट्रो डॉलर कहते हैं, दरारें दिखने लगी हैं। सऊदी अरब पहली बार चीनी मुद्रा के बदले चीन को तेल देने को तैयार हो गया है। इसका इस्तेमाल चीनी वस्तुओं के भुगतान के लिए किया जायेगा। यह भारत और रूस के रुपया-रूबल व्यापार की तरह ही है। अगर चीनी युआन के एवज में सऊदी तेल का कारोबार शुरू होता है तब अन्य देश भी इसी तरह के समझौतों की मांग कर सकते हैं। इससे निश्चित ही डॉलर एकाधिकार की जमीन हिल जायेगी। हमारे पास कोई वैश्विक मुद्रा नहीं है और न ही अभी अमेरिकी डॉलर का कोई समर्थ विकल्प नजर आ रहा है. अगर हम अर्द्ध विनिमय अर्थव्यवस्था की ओर लौटते हैं तो यह नुकसानदेह होगा लेकिन ऐसा लगता है कि लेन-देन और भुगतान में डॉलर की शाही स्थिति को चुनौती मिल रही है।

तुरंत रुके प्लास्टिक का इस्तेमाल

डॉ. अंशुमान कुमार

वर्ष 2017 में ही अमेरिकी अखबार 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने एक रिपोर्ट छापी थी, जिसका शीर्षक था- मनुष्य का पेट माइक्रोप्लास्टिक का समुद्र बन चुका है। अब रक्त में माइक्रोप्लास्टिक मिलने से हमारा ध्यान प्लास्टिक की समस्या की ओर फिर गया है। हाल में नीदरलैंड के शोधकर्ताओं के एक समूह द्वारा किये गये परीक्षण में मानव रक्त में पहली बार मिला माइक्रोप्लास्टिक पाया गया। इसने दुनियाभर के शोधकर्ताओं को चिंता में डाल दिया है। माइक्रोप्लास्टिक प्लास्टिक के सूक्ष्म कण हैं, जिनका व्यास 0.2 इंच यानी पांच मिमी से कम होता है। पर्यावरण इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित शोध के अनुसार, शोधकर्ताओं ने 22 रक्त नमूनों का विश्लेषण किया, जिनमें से 17 में माइक्रोप्लास्टिक पाया गया। इनमें से आधे नमूनों में पीइटी (पॉलीइथिलीन टेरेफ्थेलेट) था, जिसका उपयोग ड्रिंकिंग बॉटल बनाने के लिए किया जाता है।

खाद्य पैकेजिंग में व्यापक रूप से उपयोग किये जाने वाले पॉलीस्टाइनिन में 36 प्रतिशत और पैकेजिंग फिल्मों और बैग में इस्तेमाल होने वाले पॉलीइथाइलीन 23 प्रतिशत पाया गया। दरअसल, प्लास्टिक एक रसायन है, जिसका हम अलग-अलग तरह से इस्तेमाल करते हैं। यह हमारे जीवन का हिस्सा हो चुका है। यह डिलेड बायोडिग्रेडेबल और नॉन-बायोडिग्रेडेबल पदार्थ है। डिलेड बायोडिग्रेडेबल का मतलब है कि इसके नष्ट होने में बहुत समय लगे और नॉन-बायोडिग्रेडेबल का मतलब है कि जो कभी खत्म ही न हो। डिलेड बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक को नष्ट होने में 300 से 1200 साल का समय लगता है। हमारे द्वारा फेंका गया प्लास्टिक अगली पांच पीढ़ियों को मारता रहेगा और उसके बाद भी नष्ट नहीं होगा अगर वह नॉन-बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक है तो यह हर जगह फैलता जाता है। वह मिट्टी में जाता है, जहां उसके छोटे-छोटे टुकड़े हो जाते हैं। कहीं इसे जलाया गया तो हवा में इसके जहरीले तत्व घुल-मिल जाते हैं। हम कचरे के ढेरों पर लगातार प्लास्टिक जलता हुआ देख सकते हैं। तालाबों, नदियों और समुद्र में यह जाता है, जहां मछलियां इसे खा लेती हैं और प्लास्टिक उनके शरीर में पहुंच जाता है। जब मनुष्य ऐसी मछलियों को खाता है तो वही प्लास्टिक हमारे शरीर में भी पहुंच जाता है। गाय प्लास्टिक खा जाती है। उसके दूध में तो प्लास्टिक नहीं पहुंचता पर उसके रसायन जरूर दूध में आ जाते हैं। प्लास्टिक के अंदर दो ऐसे रसायन- बीपीए और थैलेट्स- इंसानी शरीर के लिए घातक हैं। प्लास्टिक के उपयोग और ऐसे रसायनों के संपर्क में आने से कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं हो रही हैं। उदाहरण के लिए, पुरुषों में शुक्राणुओं की कमी हो सकती है। इन रसायनों से महिलाओं में थायरॉयड की समस्या आती है। आज भारत में चार में से एक महिला थायरॉयड की गोली खा रही है। यदि लंबे समय तक प्लास्टिक के घातक संपर्क में व्यक्ति रहता है, वह कैंसर का कारण भी बन सकता है। एक समस्या लड़कियों में जल्दी मासिक चक्र का शुरू होना भी है। प्लास्टिक स्त्री हार्मोन को बढ़ाता है, जिससे नौ साल की बच्चियों में भी यह चक्र प्रारंभ हो जा रहा है और उनके स्तन बढ़ जा रहे हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर और गर्भाशय कैंसर के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं।

मान लें, आपने प्लास्टिक की कोई चीज फेंकी और आप जैसे एक या दो अरब लोगों ने भी ठीक ऐसा ही किया। यह प्लास्टिक मिट्टी में जमा होता जाता है। बारिश होने पर पहले जो पानी जमीन में चला जाता था और उससे भूजल चार्ज होता था, अब वह प्लास्टिक के चलते ऊपर रह जाता है और बाढ़ का कारण बनता है। साथ ही, चूंकि भूजल का दोहन बढ़ता जा रहा है, तो उसका स्तर भी नीचे जा रहा है। इस प्रकार हमने हवा, पानी, मिट्टी आदि के साथ मछलियों और पशुओं को भी जहरीला बना दिया है। हमारे करतूतों की सजा हमें ही मिल रही है। प्लास्टिक के आविष्कार करनेवाले वैज्ञानिक ने कहा था कि यह न गलेगा, न सड़ेगा और न जलेगा। उन्होंने इसकी अच्छाई बतायी थी पर उन्हें अनुमान नहीं रहा होगा कि एक दिन प्लास्टिक मनुष्य जाति का इतना बड़ा नुकसान कर देगा अगर आज हम इसके इस्तेमाल पर ठोस रोक लगाते हैं तो उसका असर सामने आने में बीस साल से अधिक का समय लग सकता है। हमें यह सवाल पूछना होगा कि जब प्लास्टिक नहीं था तो क्या जीवन नहीं था। इसे खत्म करने पर सोचा जाना चाहिए। यह हमें गरीब बना रहा है। स्वास्थ्य समस्याओं और रोगों के उपचार के खर्च का संज्ञान लिया जाना चाहिए अगर हम अपने साथ एक छोटी प्लेट व चम्मच लेकर चलें तो प्लास्टिक के प्लेट-चम्मच की जरूरत नहीं होगी। व्यक्तिगत स्तर पर हमें अपनी जरूरतों में से प्लास्टिक को हटाना होगा। हम प्लास्टिक बोतलों की जगह तांबे, स्टील आदि की बोतलें रखें।

खाना गर्म करने के लिए प्लास्टिक के बर्तन न उपयोग करें। बाजार से सामान लाना हो, तो झोला ले जाएं। सामुदायिक स्तर पर यह हो सकता है कि कार्यालयों में अपने फ्लास्क और गिलास का इस्तेमाल किया जाए। सरकारी स्तर पर प्लास्टिक पर पूरी तरह से पाबंदी होनी चाहिए। इससे रोजगार पर असर पड़ने जैसा बेमतलब तर्क नहीं दिया जाना चाहिए। अस्पतालों और स्वास्थ्य पर बढ़ते बोझ को हटाना प्राथमिकता होनी चाहिए। एक बार आदत लग जायेगी तो सब ठीक होता जायेगा। राजनीतिक इच्छाशक्ति और सहभागिता की मजबूत भावना से प्लास्टिक समस्या से मुक्ति मिल सकती है।

आइसक्रीम

बहुत ज्यादा खाएंगे तो होगी बेली फैट

आइसक्रीम में शुगर, कैलोरी, फैट होता है, जो सेहत के लिए हेल्दी नहीं होते हैं

आइसक्रीम हर किसी की फेवरेट होती है और गर्मियों में इसकी डिमांग खूब बढ़ जाती है। क्या बच्चे और क्या बड़े, सभी आइसक्रीम खाना पसंद करते हैं। कुछ लोग तो एक दिन में 3-4 आइसक्रीम खा जाते हैं। बेशक, भीषण गर्मी में आइसक्रीम आपको ठंडक का अहसास कराती है, लेकिन इसका अधिक सेवन स्वास्थ्य संबंधित कई समस्याओं को भी जन्म दे सकता है। आइसक्रीम में दूध, चॉकलेट, कई तरह के ड्राई फ्रूट्स, चेरी आदि का इस्तेमाल होता है, जो कई सेहत लाभ भी पहुंचाते हैं, लेकिन अधिक आइसक्रीम खाने से आपको क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं, उन्हें जरूर जान लें।

आइसक्रीम खाने के फायदे

- गर्मी के मौसम में आइसक्रीम खाने से तरोताजा, ठंडक महसूस होती है।
- चॉकलेट आइसक्रीम खाने से चॉकलेट में मौजूद पोषक तत्वों से कई लाभ होते हैं।
- चूंकि आइसक्रीम में दूध, ड्राई फ्रूट्स, चेरीज भी होते हैं, जो कई तरह के पोषक तत्व शरीर को देते हैं।
- दूध होने के कारण कैल्शियम, विटामिन ए, डी, प्रोटीन की कमी नहीं होती है। हड्डियों को मजबूती मिलती है।
- आइसक्रीम खाने से मन खुश होता है, स्ट्रेस दूर होता है। खराब मूड अच्छा हो जाता है।
- छालों से परेशान हैं, तो आइसक्रीम खाने से जलन, दर्द दूर होता है।

वजन बढ़ाए

ईटदिस डॉट कॉम में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार, आइसक्रीम में शुगर, कैलोरी, फैट होता है, जो सेहत के लिए हेल्दी नहीं होते हैं। इससे मोटापा, हृदय रोग के होने का जोखिम रहता है। यदि आप एक दिन में दो से तीन आइसक्रीम खाते हैं, तो शरीर में 1000 कैलोरी से भी अधिक जाती है, जो वजन बढ़ाने के लिए काफी है। एक दिन में शरीर की जरूरतों से भी अधिक कैलोरी का सेवन मोटापे का शिकार बना सकता है।

आइसक्रीम खाने के नुकसान

बेली फैट बढ़ाए

आइसक्रीम में कार्ब बहुत अधिक होता है। ऐसे में अत्यधिक रिफाइंड कार्बोहाइड्रेट्स का सेवन करने से बेली में फैट जमा होने लगता है। हालांकि कार्बस ऊर्जा के बेहतर स्रोत होते हैं, तो आप कम मात्रा में ही आइसक्रीम का सेवन करें।

हार्ट डिजीज का रिस्क बढ़ाए

आइसक्रीम में सैचुरेटेड फैट होता है। एक आइसक्रीम खाने से ट्राइग्लिसराइड्स और कोलेस्ट्रॉल लेवल में इजाफा होता है। यदि किसी को हाई ब्लड प्रेशर, अधिक वजन है, तो प्रतिदिन बहुत ज्यादा आइसक्रीम खाने से हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ सकता है। एक कप वेनिला आइसक्रीम में 10 ग्राम तक आर्टरी-क्लॉगिंग सैचुरेटेड फैट और 28 ग्राम चीनी होती है।

मस्तिष्क के लिए हानिकारक

एक शोध के अनुसार, सैचुरेटेड फैट और चीनी युक्त आहार संज्ञानात्मक कौशल और मेमोरी पावर को कम कर सकते हैं। ऐसा सिर्फ एक कप आइसक्रीम खाने से भी हो सकता है।

शुगर लेवल हो सकता है हाई

आइसक्रीम में बहुत अधिक चीनी होती है, जिसके सेवन के बाद आपका ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है। ऐसे में डायबिटीज रोगियों को आइसक्रीम का सेवन सीमित मात्रा में ही करनी चाहिए।

सुस्ती, आलस सा महसूस कराए

आइसक्रीम में फैट अधिक होता है, जो पचने में अधिक समय लेता है। आमतौर पर इससे ब्लोटिंग, अपच की समस्या हो जाती है। जल्दी नहीं पचने के कारण रात में आइसक्रीम खाकर सोने से नींद अच्छी नहीं आती है।

हंसना मना है

पिंकी मेकअप करके ऑफिस आई, सारे ऑफिस के लोग उसे ही देख रहे थे, पिंकी : मैं कैसी दिख रही हूं? बॉस : क्या बात है आज तो बहुत सुन्दर लग रही हो? पिंकी : ज्यादा मक्खन लगाने की जरूरत नहीं है बाहर जाके ब्यूटी पार्लर वाले का बिल भर आओ।

मीना : डॉक्टर चेहरे में जलन हो रही है। डॉक्टर : आपके चेहरे का हमें एक्स-रे करना पड़ेगा। मीना : एक्स-रे में क्या होता है? डॉक्टर : चेहरे की फोटो खींची जाती है। मीना 5 मिनट रुको, मैं मेकअप कर लूं। डॉक्टर बेहोश।

चप्पू केले खरीदने गया चप्पू-एक केला कितने का है भाई? दुकानवाला : दस रुपये का है। चप्पू : चार रुपये में दे दो। दुकानवाला : चार रुपये में छिलका दूंगा। चप्पू : ये ले छह रुपये सिर्फ केला दो, छिलका तुम रख ले।

एक भिखारी को 100 का नोट मिला वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया 1500 रुपये का बिल आया, उसने मेनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया इसे कहते हैं। फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए इन इंडिया।

कहानी — हाथी और गौरैया

किसी पेड़ पर एक गौरैया अपने पति के साथ रहती थी। वह अपने घोंसले में अंडों से चूजों के निकलने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी। एक दिन की बात है गौरैया अपने अंडों को से रही थी और उसका पति भी रोज की तरह खाने के इन्तेजाम के लिए बाहर गया हुआ था। तभी वहां एक गुस्सैल हाथी आया और आस-पास के पेड़ पौधों को रौंदते हुए तोड़फोड़ करने लगा। उसी तोड़फोड़ के दौरान वह गौरैया के पेड़ तक भी पहुंचा और उसने पेड़ को गिराने के लिए उसे जोर-जोर से हिलाया। पेड़ को काफी मजबूत था इसलिए हाथी पेड़ को तो नहीं तोड़ पाया और वहां से चला गया, लेकिन उसके हिलाने से गौरैया का घोसला टूटकर नीचे आ गिरा और उसके सारे अंडे फूट गए। गौरैया बहुत दुखी हुयी और जोर जोर से रोने लगी, तभी उसका पति भी वापस आ गया, वह भी बेचारा बहुत दुखी हुआ और उन्होंने हाथी से बदला लेने और उसे सबक सिखाने का फैसला किया। वे अपने एक मित्र; जो कि एक कठफोड़वा था; के पास पहुंचे और उसे सारी बात बताई। वे हाथी से बदला लेने के लिए कठफोड़वा की मदद चाहते थे। उस कठफोड़वा के दो अन्य दोस्त थे; एक मधुमक्खी और एक मेंढक। उन्होंने मिलकर हाथी से बदला लेने की योजना बनाई। तय योजना के तहत सबसे पहले मधुमक्खी ने काम शुरू किया। उसने हाथी के कान में गाना गुनगुनाना शुरू किया। हाथी को उस संगीत में मजा आने और जब हाथी संगीत में डूबा हुआ था, तो कठफोड़वा ने अगले चरण पर काम करना शुरू कर दिया। उसने हाथी की दोनों आंखें फोड़ दी। हाथी दर्द से कराहने लगा। उसके बाद मेंढक अपनी पलटन के साथ एक दलदल के पास गया और सब मिलकर टर्राने लगे। मेंढकों का टर्राना सुनकर हाथी को लगा कि पास में ही कोई तालाब है। वह उस आवाज की दिशा में गया और दलदल में फंस गया। इस तरह से हाथी धीरे-धीरे दलदल में फंस गया और मर गया।

सीख : कमजोर से कमजोर लोग भी यदि एकजुट होकर काम करें तो बड़ा से बड़ा कार्य संपन्न किया जा सकता है और बड़े से बड़े शत्रु को भी पराजित किया जा सकता है।

8 अंतर खोजें

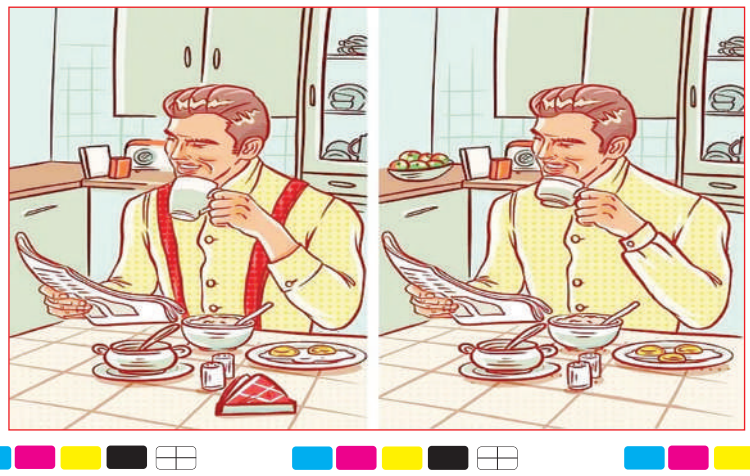

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — पार्टनर को लेकर मन में नेगेटिव बातें चलेगी। आज के दिन शुरू हुई पार्टनरशिप लंबे समय तक चल सकती है। आज लव लाइफ को लेकर कोई बड़ा फैसला ना लें।

वृषभ — आपको सफलता मिल सकती है। अविवाहित लोगों की शादी तय हो सकती है। सोच-समझकर कुछ बोले वरना आपकी बातों का गलत मतलब निकाला जा सकता है।

मिथुन — आज आपके प्रेमी के साथ रिश्तें मधुर होंगे। आज शुरू होने वाली रिलेशनशिप ज्यादा समय तक नहीं चलेगी। प्रेम संबंधों को सुधारने का प्रयास करें, जीवनसाथी से सोच-समझकर मजाक करें।

कर्क — पति-पत्नी के रिश्ते में मजबूती आ सकती है। अपोजिट जेंडर वालों से आकर्षण बढ़ सकता है। आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है। दोस्ती प्यार में बदल सकती है।

सिंह — आप किसी को प्रपोज करना चाह रहे हैं तो कर सकते हैं। लव लाइफ के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। आपका प्रपोजल स्वीकार किया जा सकता है।

कन्या — आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चल सकती है। पति-पत्नी के बीच मनमुटाव हो सकता है। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। पार्टनर को खुश करने के लिए उपहार दे सकते हैं।

तुला — एक्स्ट्रा मेरिटल अफेयर होने की संभावना है। कोई अपोजिट जेंडर वाला व्यक्ति आपकी रिलेशनशिप में परेशानी पैदा कर सकता है। पार्टनर से मन मुटाव हो सकता है।

वृश्चिक — पार्टनर के साथ बाहर घूमने जा सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। पार्टनर को लेकर किसी के साथ विवाद हो सकता है।

धनु — आज आपकी अपने पार्टनर से मुलाकात हो सकती है। पति-पत्नी के बीच तनाव हो सकता है। अपनी भावनाएं पार्टनर पर ना थोपें। पार्टनर आपको परेशान कर सकती है।

मकर — आर्थिक स्थिति मजबूत हो सकती है। आप पार्टनर से सुख मिल सकता है। कोई अपोजिट जेंडर वाला व्यक्ति आपके करीब आ सकता है। आज पति-पत्नी के बीच तालमेल ठीक रहेगा।

कुम्भ — पति-पत्नी के बीच आपसी सहयोग बना रहेगा। आज सिंगल लोगों को किसी खास इंसान से मुलाकात हो सकती है। पार्टनर की भावनाओं को समझने की कोशिश करें।

मीन — आज पार्टनर के साथ समय नहीं बिता पाएंगे। किसी काम से शहर से बाहर जा सकते है। प्रेमी के साथ बिताये हुए पल याद करेंगे। दंपती के बीच मनमुटाव हो सकता है।

बालीवुड | मन की बात

मैं वरुण धवन का कर्जदार हूं, वह बहुत ही अच्छा लड़का है : विवेक

डायरेक्टर विवेक अग्निहोत्री अपनी फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' की सुपर सक्सेस को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। 14 करोड़ के बजट में बनी अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, दर्शन कुमार और पल्लवी जोशी स्टारर ने अब तक 250 करोड़ की कमाई कर ली है। अपनी फिल्म के लिए विवेक अग्निहोत्री खूब तारीफें बटोर रहे हैं। लेकिन, एक समय ऐसा भी था, जब विवेक अग्निहोत्री मुश्किल दौर से गुजर रहे थे। ऐसे वक्त में जब उनकी मदद के लिए कोई आगे नहीं आया, बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन ने उनकी मदद की। विवेक अग्निहोत्री ने इस मदद के लिए अब वरुण धवन को शुक्रिया कहा है। दरअसल, विवेक अग्निहोत्री ने 'चॉकलेट' के साथ डायरेक्शन की दुनिया में कदम रखा था। यह फिल्म 2005 में आई थी। एक इंटरव्यू में अपने मुश्किल दिनों के बारे में बात करते हुए विवेक अग्निहोत्री ने वरुण धवन के बारे में भी बात की और उनसे मिली मदद का जिक्र किया। उन्होंने अभिनेता को एक अच्छा लड़का बताया और उनके बारे में बात करते हुए काफी इमोशनल हो गए। विवेक अग्निहोत्री ने कहा कि वह वरुण धवन की इसलिए तारीफ नहीं कर रहे कि वह उनके साथ काम करें, बल्कि इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि वह सच में बहुत अच्छे इंसान हैं और उन्होंने ऐसे वक्त में उनकी मदद की, जब कोई भी उनकी मदद के लिए आगे नहीं आया। विवेक अग्निहोत्री ने इस मामले पर खुलकर बात की है और खुद को वरुण धवन का कर्जदार बताया है। विवेक ने वरुण के बारे में बात करते हुए कहा- मैं वरुण से प्यार करता हूं, मैं उनका कर्जदार हूं। मैं ये बात कैमरे पर नहीं कहना चाहता, ये उनके और मेरे बीच की बात है। जब दुनिया में मेरी किसी ने मदद नहीं कि, उन्होंने चुपचाप मेरी मदद की। वह बहुत ही नेक इंसान है। मैं स्टारडम या बाकि सारी चीजों के बारे में नहीं जानता, लेकिन प्रार्थना करता हूं कि वह अपनी जिंदगी में खुश रहें और सफल हों। क्योंकि उन्होंने मेरी उस समय मदद की, जब कोई भी मेरी मदद के लिए आगे नहीं आया।

धूम गर्ल रिमी सेन धमाकेदार वापसी के लिए हैं तैयार

रिमी सेन बड़े परदे से गायब हो जाने के बाद अब यश राज फिल्म्स के जरिए धमाकेदार वापसी करने जा रही हैं। रिमी सेन दरअसल एक म्यूजिक वीडियो में नजर आएंगी जिसे प्रेरणा अरोड़ा डायरेक्ट करेंगी। इसकी शूटिंग 12 अप्रैल से शुरू होने वाली है। रिमी सेन ने अपने करियर में 'धूम' जैसी शानदार फिल्में की। लेकिन, इसके बाद वो गायब हो गईं। बाद में वो 'बिग बॉस' जैसे रियलिटी शोज में भी नजर आईं थीं लेकिन अब आखिरकार वो कमबैक करने जा रही हैं। ईटाइम्स से बातचीत में रिमी सेन ने कहा, 'आप सभी जानते हैं, मैं मूवी और फिल्म इंडस्ट्री से दूर थी और इसका कारण यह था कि मैंने कई चीजें ट्राई की, अलग-अलग तरह की फिल्में की लेकिन मुझे कभी रचनात्मक संतुष्टि नहीं मिली जिसकी मुझे तलाश रहती थी। मैं कभी पैसों के लिए फिल्में नहीं करती थी। मैं हमेशा अपनी क्रिएटिव संतुष्टि के लिए काम करना चाहती थी। यही मेरा लक्ष्य था। तब मैं कन्फ्यूज हो गई थी क्योंकि मैंने काम की शुरुआत बड़े-बड़े बैनर, बड़े स्टार्स के साथ की थी, जहां मेरे किरदार पर कभी ध्यान नहीं दिया गया। मैंने तब गलती कर दी थी।'

संतुष्टि के लिए एक्टिंग नहीं

आगे रिमी सेन ने कहा, 'आगे चलकर मुझे समझ आया कि इस तरह से मैं नहीं आगे बढ़ सकती हूं। मुझे अपने पैर खींचने होंगे। करियर को कुछ समय के लिए रिजाइन देना होगा। मैंने इसके बाद श्रीराम राघवन और कई डायरेक्टर्स को अप्रोच करना शुरू किया। तब मैंने 'जॉनी गद्दार' और 'संकट सिटी' जैसी फिल्में की लेकिन ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कामयाब नहीं हुई।' रिमी सेन ने ये भी कहा, 'मुझे फिर एहसास हुआ कि क्रिएटिव संतुष्टि के लिए हमेशा एक्टिंग करना जरूरी नहीं है।' रिमी सेन ने कहा, 'आप डायरेक्ट कर सकते हो, प्रोड्यूसर भी बन सकते हो। अब मैं ओटीटी के लिए भी ओपन हो चुकी हैं। मैं अब प्रोड्यूसर बनना चाहती हूं। मैंने एक फिल्म बनाई थी 'बुद्धिया सिंह डोंट रन' जिसे 2015 में नेशनल अवॉर्ड मिला था। मुझे इस फिल्म से काफी संतुष्टि मिली थी। अब मैं अपना समय निकाल वेब सीरिज पर काम कर रही हूं। ये इस साल शुरू हो जाएगी। ये प्रेरणा अरोड़ा से मुलाकात के बाद ही संभव हुआ। मैं एक दोस्त, प्रोड्यूसर के तौर पर उनपर भरोसा करती हूं।'

बॉलीवुड | गपशप

कैमरे के पीछे काम कर भी खुश

रिमी सेन ने कहा कि कैमरे के पीछे काम कर वो काफी खुश थीं। लेकिन म्यूजिक वीडियो का आइडिया उन्हें पसंद आया और उन्होंने तुरंत इसके लिए हां कर दी।

बॉक्स ऑफिस पर RRR की आंधी

फिल्मकार एसएस राजामौली की मेगाबजट फिल्म आरआरआर बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। जूनियर एनटीआर और राम चरण की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर एक सुनामी सी ला दी है। दर्शक काफी लंबे वक्त से इस फिल्म का इंतजार कर रहे थे। आखिरकार ये फिल्म बीते शुक्रवार सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है, जिसे फैंस द्वारा काफी प्यार मिल रहा है। आरआरआर का धमाल जारी है फिल्म पहले ही सप्ताह में कई रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी है। सिर्फ साउथ ही नहीं, बल्कि हिंदी बेल्ट में भी फिल्म का जलवा कायम है। हिंदी बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म ने अच्छी कमाई कर ली है। वहीं, अब फिल्म का दूसरे दिन का कलेक्शन भी सामने आ चुका है, जिसे देखने के बाद सभी लोग हैरान हैं। आरआरआर ने तीसरे दिन 31।50 करोड़ रुपए का कारोबरा किया है। इसी के साथ फिल्म ने अब तक हिंदी बॉक्स ऑफिस में करीब 74 करोड़ की कमाई कर ली है। कलेक्शन देखकर कह सकते हैं यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुनामी ले आई है। पहले ही दिन के कलेक्शन के साथ फिल्म ने कई रिकॉर्ड्स तोड़ डाले हैं। बाहुबली के बाद आरआरआर के साथ राजामौली ने फिर धमाल मचा दिया है। फिल्म देखकर थिएटर से बाहर निकलते लोग इसकी तारीफें करते नहीं थक रहे हैं। साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और राम चरण के लीड रोल वाली इस फिल्म में बॉलीवुड कलाकार आलिया भट्ट और अजय देवगन भी अहम किरदारों में नजर आए।

बॉलीवुड | तड़का

अजब-गजब | होटल स्पा ने ग्राहकों से खुद की स्लिपर्स लाने का किया अनुरोध

चप्पलों की कमी से जूझ रहा है ये देश!

किसी भी वस्तु का सप्लाई और डिमांड तय करता कि वो कितनी ज्यादा लोगों के द्वारा उपयोग में है। कई बार वस्तुओं की कमी भी हो जाती है जिसके कारण उसकी डिमांड बढ़ जाती है। इन दिनों ऐसी ही कमी ब्रिटेन में देखने को मिल रही है। आपको जानकर हैरानी होगी कि ब्रिटेन में चप्पलों की कमी हो रही है। ऐसे में होटल और स्पा ही नहीं, आम लोगों को भी इससे समस्या हो रही है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार ब्रिटेन में राष्ट्रीय स्तर की चप्पलों की कमी होने लगी है। यहां के होटल और स्पा लोगों से अजीबोगरीब अनुरोध कर रहे हैं। आपको बता दें कि स्लिपर्स की कमी के चलते जो लोग होटल या स्पा में रुकने जा रहे हैं उन्हें फ्री में स्पा चप्पलें नहीं मुहैया कराई जा पा रही हैं। ऐसे में अब ग्राहकों से अनुरोध किया जा रहा है कि वो अपने साथ चप्पल लेकर आएं।

घर से चप्पल लाने का अनुरोध कर रहे होटल और स्पा

ट्रिप एडवाइजर पर लोगों ने ये रिव्यू डाला है कि उन्हें घर से चप्पलें लाने के लिए कहा जा रहा है। ऐसे में उन्हें काफी मुश्किल हो रही है और सर्विस पूरी ना मिल पाने के कारण बुरा भी लग रहा है। रिपोर्ट के अनुसार एक गेस्ट ने बताया कि उसने एसेक्स के ग्रीनवुड्स होटल और स्पा में अपनी बुकिंग की थी। अचानक उसे होटल की तरफ से मेल भेजा गया कि नेशनल स्लिपर्स की शॉर्टेज के कारण लोगों को घर से चप्पल लेकर आना आवश्यक है क्योंकि वो चप्पल होटल और स्पा में नहीं दे पाएंगे।

क्यों हो रही चप्पलों की कमी?

आपको बता दें कि ब्रिटेन में सिर्फ चप्पल ही नहीं अन्य चीजों को लेकर भी कमी आ रही है। सप्लाई चेन को नुकसान इसलिए पहुंचा है क्योंकि कोरोना महामारी के दौरान भारी वाहन चलाने वाले ड्राइवरों में भारी कमी देखने को मिली है। होटल और बड़े व्यापार ऐसी चीजों को बल्क में खरीदते थे इस वजह से उनके पास सामानों की कमी हो रही है। रिपोर्ट के अनुसार जब से लॉकडाउन खत्म हुआ है और कोविड के मामलों में कमी आई है, तब से ही लोग बाहर घूमने जाने का प्लान बना रहे हैं। ऐसे में चप्पलों की कमी होटलों के लिए बड़ा नुकसान साबित हो सकती है। कई होटलों में शैंपू, तौलिया आदि की भी कमी देखने को मिल रही है।

दुनिया की पहली अनोखी ट्रेन, जो बिना ईंधन के पटरी पर दौड़ेगी, खुद से हो जाएगी चार्ज

बीते दशकों में विज्ञान ने अभूतपूर्व सफलता हासिल कर ली है। कभी असंभव लगने वाली चीजें भी अब आसान लगती हैं। पहले भाप से ट्रेन चलती थी जिसके बाद डीजल से दौड़ने लगी। अब बिजली से चलने वाली ट्रेन दौड़ती है। इसके अलावा ट्रेन सोलर एनर्जी से भी चल रही हैं, लेकिन अब कुछ सालों में गाड़ियां भी बिना ईंधन के चलने लगेंगी। अब इस बीच एक ट्रेन आने वाली है जो बिना ईंधन के रफ्तार भरेगी। इस ट्रेन को चलने के लिए ईंधन की जरूरत नहीं पड़ेगी, क्योंकि ये ट्रेन बिना डीजल और कोयला के चलेगी। यह सुनकर आपको शायद यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन यह पूरी तरह सच है। यह विशेष ट्रेन गुरुत्वाकर्षण के दम पर चलेगी। ऑस्ट्रेलिया की एक खनन कंपनी इस गुरुत्वाकर्षण से चलने वाली ट्रेन का निर्माण कर रही है। आइए जानते हैं कि आखिर गुरुत्वाकर्षण से यह ट्रेन कैसे चलेगी और इसकी क्या खासियत है? गुरुत्वाकर्षण से दौड़ने वाली इस ट्रेन को इनफिनिटी ट्रेन कहा जा रहा है। इस ट्रेन के चलने से सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि प्रदूषण कम होगा। इसके अलावा ट्रेन की रीफ्यूलिंग की कोई जरूरत नहीं होगी। इस ट्रेन से एमिशन शून्य हो जाएगा। इसके साथ ही कम समय और लागत में लौह अयस्क को एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जा सकता है। ट्रेन का निर्माण करने वाली कंपनी फोर्टेस्क्यू ने विलियम्स एडवांस्ड इंजीनियरिंग को खरीदा है और काम की शुरुआत की है। यह ट्रेन एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाते समय अपने आप चार्ज हो जाएगी और इसकी ऊर्जा कभी समाप्त नहीं होगी। इस ट्रेन में 244 बोगी होगी जिसमें 34,404 टन लौह अयस्क रखा जाएगा। इसकी वजह से ट्रेन भारी हो जाएगी और खाली होने के बाद जब चलेगी, तो ग्रैविटेशनल फोर्स से चार्ज होगी। फोर्टेस्क्यू की सीईओ एलिजाबेथ गेन्स ने इस ट्रेन को दुनिया की सबसे बेहतरीन ट्रेन बताया है।

आगरा में भीषण हादसा, दो किसानों समेत पांच की मौत

पिकअप को कंटेनर ने मारी टक्कर, एक अन्य घायल

टूंडला टोल प्लाजा के पास हुई दुर्घटना परिवार में कोहराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आगरा। टूंडला टोल प्लाजा पर जसराना से आलू लेकर आगरा मंडी जा रही मैक्स पिकअप गाड़ी को पीछे से आ रहे कंटेनर ने जोरदार टक्कर मारी। हादसे में दो किसानों समेत पांच की मौत हो गई। गाड़ी मालिक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका आगरा में उपचार चल रहा है। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

हादसा आज तड़के हुआ। जसराना से एक मैक्स पिकअप आलू लेकर आगरा मंडी जा रही थी। तभी गाड़ी का टायर पंक्चर हो गया। चालक ने पंक्चर जुड़वाने के लिए टोल प्लाजा के समीप पंक्चर की दुकान पर गाड़ी खड़ी कर दी। मैक्स सवार सभी नीचे उतरकर खड़े हो गए थे। तभी पीछे से तेज गति से आ रहे कंटेनर ने अनियंत्रित होकर मैक्स में टक्कर मार दी। हादसे में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को आगरा भिजवा दिया। आगरा में एक और की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के

लिए भिजवाया। हादसे में पिकअप में सवार 19 वर्षीय राम बहादुर उर्फ छोटू, 17 वर्षीय राहुल निवासीगण गांव नगला कन्हैया थाना जसराना और पंक्चर जोड़ने वाले 18 वर्षीय वली मोहम्मद निवासी पोखर वाला मोहल्ला सादाबाद की मौत हो गई। इनके अलावा मृतकों में राजेश कुमार लोधी (30) व दशरथ लोधी (28) पुत्र रनवीर लोधी निवासीगण गांव बझेरा थाना सिरसागंज हैं। वहीं, मैक्स मालिक राजकुमार पुत्र हरपाल सिंह निवासी जसराना गंभीर रूप से घायल है। इनका आगरा में इलाज चल रहा है।

ट्रक व रोडवेज बस की टक्कर, तीन जख्मी

प्रयागराज। प्रदेश के प्रतापगढ़ जनपद के कुंडा में मंगलवार की रात सड़क हादसे में तीन लोग जख्मी हो गए। मानिकपुर थाना क्षेत्र में प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर दो ट्रकों की भिड़ंत में एक ट्रक अनियंत्रित होकर रोडवेज बस से टकरा गया। इससे रोडवेज बस पलट गई। उसमें सवार 15 यात्रियों को चोट आई, जिनमें तीन गंभीर रूप से जख्मी हो गए। उन्हें अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। प्रतापगढ़ जनपद के मानिकपुर थाना क्षेत्र के स्थानीय कस्बा नगर पंचायत मानिकपुर में मंगलवार की रात सभी यात्री बस में सो रहे थे। प्रयागराज से 15 यात्रियों को लेकर रोडवेज बस लखनऊ जा रही थी। प्रयागराज-लखनऊ हाईवे पर मानिकपुर नगर के राना पट्टी वार्ड पंजाब नेशनल बैंक के पास पहुंची बस पहुंची थी। इसी दौरान दो ट्रकें आपस में टकरा गए। इससे एक ट्रक अनियंत्रित होकर सवारियों को लेकर जा रही रोडवेज बस में टक्कर मार दिया। चीख-पुकार की आवाज सुनकर नगर के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े और बस में सवार यात्रियों को बाहर निकाला। गंभीर रूप से घायल सरफराज अंसारी अंसारी, विक्रमजी पटेल और जीतू सिंह सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुंडा भेजा गया। बाकी बस पर बैठी अन्य यात्रियों को मामूली चोट थी। प्राथमिक उपचार कराने के बाद उन्हें दूसरे वाहन से गंतव्य के लिए रवाना किया गया।

मुरादाबाद में छात्र के अपहरण से सनसनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुरादाबाद। मैनाठेर थाना क्षेत्र के डींगरपुर से जूस लेने गए इंटर के छात्र के अपहरण की सूचना से सनसनी फैल गई। मंगलवार रात करीब दस बजे छात्र ने पिता और दोस्त को फोन करके खुद के अपहरण होने की जानकारी दी। इसके बाद उसका मोबाइल बंद हो गया। स्वजन पुलिस को सूचना देने के साथ ही घटना स्थल पर पहुंचे तो वहां उसकी बाइक खड़ी हुई मिली। वहीं परिवार के लोगों ने थाने में तहरीर देकर अपहरण का आरोप लगाया है।

» खुद फोन कर पिता को दी सूचना

मैनाठेर क्षेत्र के लालवारा गांव निवासी मुहम्मद असलम ट्रक चालक हैं। परिवार में पत्नी दानिश्ता के साथ ही एक बेटी और एक बेटा मुहम्मद आरिफ है। वह इंटर की परीक्षा दे रहा है। मंगलवार की देर शाम छात्र अपने पिता के लिए जूस लेने के लिए बाइक से डींगरपुर चौराहे गया था। आरोप है कि जूस लेकर जैसे ही वह संभल-मुरादाबाद हाईवे से घर वापस आ रहा था,उसी दौरान छात्र का पीछा संदिग्ध कार ने किया। छात्र ने अपने दोस्त के साथ ही पिता को कार का पीछा करने के साथ ही फिर अपहरण होने की जानकारी दी। थाना प्रभारी ने बताया कि छात्र की तलाश की जा रही है।

हरदोई: इसरो के वैज्ञानिक की पत्नी को बंधक बनाकर लाखों की लूट

» तलाश में लगाई गयी चार टीमें, पुलिस कर रही मामले की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हरदोई। शहर के पीताबंरगंज मुहल्ले में मंगलवार की देर शाम बदमाशों ने इसरो के सहायक वैज्ञानिक की गर्भवती को चाकू के बल पर बंधक बनाकर घर में रखे एक लाख रुपये नकद और करीब 20 लाख के जेवर लूट ले गए। विरोध पर बदमाशों ने सहायक वैज्ञानिक की पत्नी के पेट में लात मार दी, जिसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बदमाशों की तलाश में चार टीमें लगायी गयी हैं।

शशांक द्विवेदी इसरो के दिल्ली कार्यालय में सहायक वैज्ञानिक हैं। पीतांबरगंज स्थित पैतृक मकान में उनकी मां कांती द्विवेदी, पत्नी मुस्कान , बहन पारिका और भाई शुभांक रहते हैं। शुभांक की चार जुलाई को शादी है, जिसकी तैयारियां चल रही हैं। मंगलवार की शाम कांती और

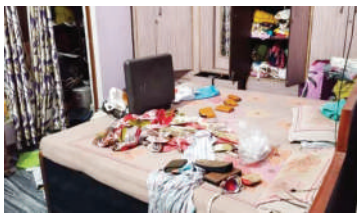

पारिका किसी काम से बाहर गईं थी। शुभांक भी कहीं गया था। मुस्कान घर पर अकेलीं थी। इसी दौरान एक महिला और दो पुरुष अचानक मकान में घुस आए। मुस्कान के अनुसार उन लोगों ने उसके गले पर चाकू रख दिया और घर में रखा जेवर व रुपया मांगने लगे। बदमाशों ने शुभांक की शादी का सारा जेवर, रुपये आदि लूट लिया। बदमाशों के भाग जाने के बाद उसने शोर मचाया तो आसपास के लोग आ गए। पारिका द्विवेदी ने बताया कि बदमाश घर में रखा सारा जेवर, एक लाख रुपये नकद आदि मिलाकर करीब 20 से 25 लाख रुपये लूट ले गए हैं।

सपा प्रमुख अखिलेश ने सहयोगी दलों के साथ की बैठक, नहीं पहुंचे शिवपाल

» सहयोगी दल बोले, मजबूती से लड़ा जाएगा लोक सभा चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को सहयोगी दलों के साथ बैठक की। बैठक में शामिल सभी दलों ने एकजुटता से आगे भी मजबूती से चुनाव लड़ने की बात कही। हालांकि बैठक में प्रसपा प्रमुख शिवपाल यादव नहीं शामिल हुए।

सपा कार्यालय पर हुई इस बैठक में सुभासपा से ओमप्रकाश राजभर, जनवादी पार्टी से डॉ. संजय चौहान, महान दल से केशव देव मौर्या, रालोद से राजपाल बालियान, अपना दल कमेरावादी से पंकज निरंजन शामिल हुए। बैठक में सभी ने कहा जिस तरह से सभी सहयोगी दलों ने मिलकर मजबूती से यह चुनाव लड़ा है, उसने विरोधियों के सामने बड़ी चुनौती पेश की है। लोक सभा चुनाव में और मजबूती से चुनाव लड़ा जाएगा। साथ ही सदन में हर मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाया जाएगा। इस बैठक में शिवपाल यादव नहीं शामिल

हुए। बताया गया कि वे इटावा में थे। माना जा रहा है कि शिवपाल इससे पहले हुई सपा की बैठक में न बुलाए जाने से खासे नाराज हैं और उन्होंने इस बाबत सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव से भी शिकायत की है। हालांकि शिवपाल ने इस बाबत कुछ भी बोलने से इनकार किया है। गौरतलब है कि सपा से गठबंधन के बाद शिवपाल ने न सिर्फ अखिलेश को अपना नेता घोषित किया बल्कि यहां तक कहा था कि उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के लिए हर स्तर पर संघर्ष करेंगे।

पूर्व एमएलसी कैलाश सिंह समेत चार नेता सपा से निष्कासित

लखनऊ। सपा ने उत्तर प्रदेश विधान परिषद चुनाव में पार्टी का विरोध करने के आरोप में गाजीपुर के पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) कैलाश सिंह समेत चार नेताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। इन सभी नेताओं पर विधान परिषद सदस्य के चुनाव में सपा का विरोध करने का आरोप है। सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने पत्र जारी कर कहा है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर इन पर कार्रवाई की गई है। जिन नेताओं को सपा से निष्कासित किया गया है उनमें गाजीपुर के पूर्व एमएलसी सैदपुर विधानसभा क्षेत्र के औड़िहार निवासी कैलाश सिंह के साथ ही गाजीपुर के पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि विजय यादव भी शामिल हैं। अखिलेश यादव के निर्देश पर बाबा साहब वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव रमेश यादव और उपेंद्र यादव को भी पार्टी से निष्कासित कर दिया है। सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने चुनाव में पार्टी का विरोध करने वाले नेताओं पर एक्शन लिया है।

अरविंद-जितिन के जरिये भाजपा ने दिया बड़ा संदेश

» 4 पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार का मंत्रिमंडल बन गया, विभाग भी बंट गए हैं। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एमएलसी अरविंद कुमार शर्मा और जितिन प्रसाद को मंत्रिमंडल में बड़ी जिम्मेदारी दी गई। जितिन प्रसाद को लोक निर्माण विभाग मंत्री बनाया गया हैं जबकि अरविन्द कुमार शर्मा को ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री बनाया गया हैं। क्या जितिन प्रसाद और एके शर्मा का कद बढ़ाकर शीर्ष नेतृत्व ने बड़ा संदेश दिया है? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार उमाशंकर दुबे, सुशील दुबे, अरूणा सिंह, अशोक वानखेड़े, केपी मलिक, विनीत नारायण, रशीद जहीर व 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के साथ एक लंबी परिचर्चा हुई।

सुशील दुबे ने कहा, अरविंद शर्मा को कोई नहीं जानता था, मीडिया ने उनका हौवा बना दिया। योगी मंत्रिमंडल में हारे हुए डिप्टी सीएम बन गए। डिप्टी सीएम से विभाग लेकर जितिन प्रसाद को

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

दे दिया, ये दिल्ली की ही रणनीति है। अरविंद शर्मा को ऊर्जा और नगर विकास विभाग जैसा विभाग मिला है।

विनीत नारायण ने कहा, योगी मंत्रिमंडल की जो कार्ययोजना है, वह मोदी के दिमाग का ब्लूप्रिंट है। अरविंद शर्मा चुपचाप अपना काम करते हैं। इसी वजह से उन्हें अहम विभाग की जिम्मेदारी मिली है। केपी मालिक ने कहा दिल्ली और लखनऊ में कहीं न कहीं दूरी है। ये दिखाई भी दी। रही बात मंत्रिमंडल को लेकर तो दिल्ली और लखनऊ में समझौते हुए हैं। इस बार दिल्ली हावी है। ये जो कवायद है 2024 को ध्यान में रखकर है। अरुणा सिंह ने कहा जितिन को पीडब्ल्यूडी देकर ये मैसेज दिया गया कि दूसरी पार्टी से आए लोगों को भी भाजपा में तवज्जो मिलती है। रशीद जहीर ने कहा, एके शर्मा को वे विभाग दिए गए हैं, जो जमीनी है। उमाशंकर दुबे ने कहा एके शर्मा अच्छे ब्यूरोक्रेटस थे, इसी वजह से उन्हें नगर विकास और ऊर्जा विभाग मिला है। 24 के लिए आउटपुट देना है। अशोक वानखेड़े ने कहा ये सरकार बनी है दिल्ली से। मंत्रिमंडल बना है दिल्ली से। विभागों का बंटवारा भी दिल्ली से। चीफ सेक्रेटरी दिल्ली से आया है। बहुत सी बातें हैं। दिल्ली में एके शर्मा माने सरकार थी।

गवाह को जेल भेजने का मामला

इंस्पेक्टर के खिलाफ गैरजमानती वारंट जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। गाजीपुर की एक युवती ने सीएमपी डिग्री कॉलेज के सहायक प्रोफेसर पर गैगरेप सहित कई धाराओं में एफआईआर कर्नलगंज थाने में दर्ज करायी थी। इस मामले में इंस्पेक्टर ने पीड़िता के गवाह को ही जेल भेज दिया। इस मामले की विवेचना कर रहे सीओ कर्नलगंज अजीत सिंह चौहान ने बताया कि इंस्पेक्टर बृजेश सिंह यादव व अन्य के खिलाफ कोर्ट से गैरजमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) लिया गया है और गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है।

» आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दी जा रही दबिश

पीड़िता का आरोप है कि उसके गवाह ज्ञानचंद्र मौर्य और परिवार के लोगों पर सुलह का दबाव बनाया जा रहा था न करने पर फूलपुर थाने में उसके गवाह एवं भाई सहित अन्य पर केस दर्ज किया गया और गवाह को जेल भेज दिया गया था। शिकायत पर एडीजी जोन के आदेश पर जार्जटाउन थाने में तत्कालीन इंस्पेक्टर हंडिया बृजेश सिंह यादव, दरोगा बलवंत यादव, सीएमपी डिग्री कॉलेज के असिस्टेंट प्रोफेसर मदन यादव व अन्य आरोपियों के खिलाफ जार्जटाउन थाने में रिपोर्ट दर्ज की गयी।

कोरोना प्रोटोकॉल का हर हाल में अनुपालन जरूरी : मुख्यमंत्री

समस्याओं के निस्तारण की जवाबदेही तय हो

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज अफसरों व अधिकारियों संग बैठक की। बैठक में निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना प्रोटोकॉल का हर हाल में अनुपालन जरूरी है। समस्याओं के निस्तारण की जवाबदेही तय हो। लेटलतीफी अथवा एक-दूसरे पर जिम्मेदारी टालने की प्रवृत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी। कैबिनेट के समक्ष विभागीय प्रस्तुतियां सम्बंधित माननीय मंत्री द्वारा ही किया जाएगा, विभागीय अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव केवल सहायतार्थ उपस्थित होंगे।

सीएम योगी ने कहा प्रदेश के सभी विभागाध्यक्ष गण अपने अधीनस्थ कार्यालयों का औचक निरीक्षण करें। कार्यालयों में स्वच्छता, निस्तारित होने के लिए लंबित फाइल की स्थिति, जन शिकायतों के निस्तारण की स्थिति, कार्मिकों की उपस्थिति, समयबद्धता आदि की वस्तुस्थिति का परीक्षण किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कोरोना के कारण विगत दो शैक्षिक सत्र प्रभावित रहे हैं। भौतिक पठन-पाठन नहीं हो सका। अत: आगामी सत्र की शुरुआत से पूर्व स्कूल चलो अभियान को वृहद स्वरूप दिया जाना आवश्यक है। विभागीय मंत्री के परामर्श से अभियान के संबंध में विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली जाए। एक भी बच्चा स्कूल से वंचित न रहे। व्यवस्था की पारदर्शिता और अभिभावक की सुविधा के दृष्टिगत बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में बच्चों के गणवेश आदि के लिए धनराशि सीधे अभिभावक के बैंक खाते में भेजे जाने की व्यवस्था की गई है। इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। यह सुनिश्चित किया जाए कि बच्चे निर्धारित गणवेश में ही विद्यालय आएं।

सभी हैंडपंप क्रियाशील रहें

मुख्यमंत्री ने कहा, गर्मी का समय शुरू हो गया है। अतः सभी जिलों में जलापूर्ति की सुविधा का परीक्षण कर लिया जाए। सभी हैंडपंप क्रियाशील रहें। इस हेतु संबंधित विभाग व संस्थाओं द्वारा तत्काल कार्य किया जाए। शुद्ध पेयजल की आपूर्ति के लिए संचालित हर घर नल योजना अंतर्गत पाइपलाइन डाली जा रही है। जहां पाइपलाइन डाली जा चुकी है, वहां पाइपलाइन के लिए खोदे गए गड्ढों को भर दिया जाए, ताकि लोगों को असुविधा न हो।

क्रय केंद्रों पर किसानों को समस्या न हो

मुख्यमंत्री योगी ने कहा गेहूं खरीद की प्रक्रिया 01 अप्रैल से प्रारंभ हो रही है। यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी क्रय केंद्र पर किसानों को समस्या न हो, भंडारण गोदाम हो या क्रय केंद्र, हर जगह गेहूं की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए जाएं। प्रत्येक दशा में किसानों को एमएसपी का लाभ मिलना ही चाहिए। सभी क्रय केन्द्रों पर पूरी पारदर्शिता के साथ गेहूं खरीद कराई जाए। किसान को अपनी उपज बेचने में कोई असुविधा न हो। किसानों की उपज का समयबद्ध ढंग से भुगतान कर दिया जाए। प्रतिवर्ष आग लगने के कारण गेहूं की फसल जलने की दु:खद घटनाएं होती हैं। इस संबंध में सुरक्षा के आवश्यक उपाय किये जाने चाहिए।

अरविंद केजरीवाल के घर पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पर हमले की खबर है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर बताया कि कुछ असामाजिक तत्वों ने सीएम केजरीवाल के घर पर हमला कर सीसीटीवी कैमरे और सिक्योरिटी बैरियर तोड़ दिए। इसके अलावा गेट पर लगे बूम बैरियर भी तोड़ दिए गए हैं। वहीं राज्यसभा सदस्य व आप नेता संजय सिंह ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की है।

» संजय सिंह बोले बीजेपी के गुंडों ने की तोड़फोड़

दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने जहां आरोप लगाया कि बीजेपी के गुंडों ने अरविंद केजरीवाल के घर पर तोड़फोड़ की। इतना ही नहीं, उन्होंने कहा बीजेपी की पुलिस उन्हें रोकने की जगह दरवाजे तक लेकर आई। वहीं आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी संजय सिंह ने भी कहा यह भाजपा की गुंडागर्दी है। भाजपाईयों की गुण्डागर्दी देखो। कश्मीरी पंडित तो बहाना है केजरीवाल को जान से मरवाना है। मुख्यमंत्री के घर के बाहर लगे सिक्योरिटी बैरियर और सीसीटीवी कैमरा तोड़े गए। इस पूरे मामले में दिल्ली नॉर्थ डीसीपी ने बताया कि बीजेपी युवा मोर्चा का प्रदर्शन चल रहा था, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने बवाल मचाया, सीसीटीवी पर भी हमला किया, सीएम आवास के बाहर पेंट भी फेंका गया। हमने 50 लोगों को हिरासत में लिया है।

बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी ने यूपी से योगी को बिहार बुलाया

» नीतीश सरकार में बिगड़ती कानून व्यवस्था पर भड़कीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर सीएम नीतीश कुमार पर जोरदार हमला किया है। उन्होंने कहा बिहार में कानून व्यवस्था पूरी तरह फेल है। अपराधियों पर कार्रवाई नहीं हो रही। सरेआम लोगों की हत्या हो रही है।

उन्होंने शराबबंदी कानून पर भी तंज कसा। कहा कि छह सालों में क्या हुआ, देख रहे हैं। इस दौरान बिहार में योगी मॉडल

लागू करने की बीजेपी विधायकों की मांग पर राबड़ी देवी ने कहा, ये (नीतीश कुमार) वहां (यूपी) चले जाएं और योगी जी (योगी आदित्यनाथ) को बिहार ले आएं। विधान परिषद की कार्यवाही में भाग लेने पहुंची पूर्व सीएम ने कहा कि बिहार की सरकार पंगु है, इसलिए कार्रवाई नहीं कर रही। बिहार में लूट, हत्या की घटनाएं दिनदहाड़े हो रही हैं। सरकार मजबूत रहती तो ऐसा होता ही नहीं।

रद्द हो सकती है आशीष मिश्रा की जमानत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी के चर्चित लखीमपुर खीरी कांड के आरोपी आशीष मिश्रा की जमानत रद्द हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस कांड की जांच की निगरानी के लिए गठित समिति ने ऐसी सिफारिश की है। सुप्रीम कोर्ट ने मिश्रा की जमानत निरस्त करने की अर्जी पर आगे सुनवाई 4 अप्रैल को तय की है। इसके पूर्व कोर्ट ने समिति द्वारा जमानत निरस्त करने की सिफारिश की जानकारी दी। मिश्रा की जमानत को पीड़ितों के परिजनों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। मिश्रा केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्रा टेनी के पुत्र हैं। किसान आंदोलन के दौरान लखीमपुर खीरी में पिछले साल अक्टूबर में चार किसानों को एसयूवी से रौंद दिया गया था। आशीष मिश्रा

मामले के आरोपी हैं।

मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान यूपी सरकार ने कहा था कि उसने मिश्रा की जमानत अर्जी का विरोध किया था। याचिकाकर्ता का यह आरोप पूरी तरह गलत है कि राज्य सरकार ने अर्जी का प्रभावी ढंग से विरोध नहीं किया। वहीं यूपी पुलिस ने शीर्ष कोर्ट से कहा था कि राज्य सरकार ने लखीमपुर खीरी केस के गवाहों व पीड़ितों के परिजनों की सुरक्षा के सारे इंतजाम किए हैं। सभी गवाहों से उनकी सुरक्षा को लेकर नियमित संपर्क भी किया जा रहा है। आशीष मिश्रा को दी गई जमानत के खिलाफ पीड़ित परिवारों की ओर से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में कहा गया है कि हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत देते समय शीर्ष अदालत के दिशा-निर्देशों की अवहेलना की। आरोपी आशीष मिश्रा को इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने बीते दिनों जमानत दी थी। जमानत मंजूर होने के बाद ही मृत किसानों के परिजनों ने जमानत का विरोध किया था और इस आदेश को चुनौती देने की बात कही थी। बता दें कि लखीमपुर के तिकुनिया गांव में हुई हिंसा के मामले में एसआईटी ने 5000 पन्नों की चार्जशीट दाखिल की थी। इसमें आशीष मिश्र मुख्य आरोपी है।

संकट में ठाकरे सरकार, 25 कांग्रेस विधायकों के तेवर बागी

पार्टी के मंत्रियों द्वारा उपेक्षा से खफा सोनिया गांधी से मांगा वक्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। महाराष्ट्र में शिवसेना नीत महाविकास अघाड़ी सरकार में शामिल कांग्रेस के मंत्री अपनी ही पार्टी के विधायकों की नहीं सुन रहे हैं। उनके इस व्यवहार से क्षुब्ध होकर 25 विधायक बागी तेवर दिखा रहे हैं। मंत्रियों के व्यवहार से खफा इन विधायकों ने कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात का वक्त मांगा है।

कांग्रेस विधायकों का कहना है कि गठबंधन सरकार की तो छोड़िए यदि हमारे मंत्री ही हमारी नहीं सुनेंगे तो आगामी चुनावों में पार्टी कैसे अच्छा प्रदर्शन कर पाएगी। इकॉनामिक टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार इन विधायकों ने सोनिया गांधी को पत्र लिखकर तुरंत दखल देने की मांग की है, ताकि चीजें बिगड़ने से पहले संभल जाए। विधायकों ने

कहा कि कांग्रेस के मंत्री हमारी चिंताओं पर ध्यान नहीं दे रहे हैं और वे हमसे तालमेल नहीं बना रहे हैं। कुछ विधायकों ने कहा कि महाविकास अघाड़ी सरकार के मंत्री, खासकर कांग्रेस के मंत्री उनकी बात नहीं सुन रहे हैं। एक विधायक ने कहा कि अगर मंत्री विधायकों के चुनाव क्षेत्रों के कामों का आग्रह टालेंगे तो पार्टी भावी चुनावों में अच्छा प्रदर्शन कैसे करेगी? पार्टी में समन्वय की कमी जाहिर करते हुए कांग्रेस विधायकों ने कहा कि उन्हें गत सप्ताह ही पता चला कि कांग्रेस के तीन विधायकों के साथ समन्वय के लिए एक मंत्री तैनात किया गया है। एक अन्य कांग्रेस विधायक ने कहा कि यह बात हमें तब पता चली जब एचके पाटिल ने हाल ही में एक बैठक में यह जानकारी दी। यह अघाड़ी सरकार बनने के कुछ माह बाद किया गया था, लेकिन हमें इसके बारे में 2.5 साल बाद पता चला। अब भी हमें नहीं पता है कि हमारे साथ कौनसा मंत्री समन्वय करेगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।